5. संज्ञा

प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु, भाव का नाम होता है, यह नाम ही संज्ञा कहलाता है। संसार की प्रत्येक चीज़ जो प्रत्यक्ष है या अप्रत्यक्ष का एक नाम निश्चित होता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से संज्ञा के बारे में बताने को कहें।
- ❖ छात्र संज्ञा शब्दों को भली-भाँति समझ चुके हैं। अत: पाठ पृष्ठ 20 पर दिए चित्र में से संज्ञा शब्द बताने को कहें।
- ❖ छात्रों से संज्ञा की परिभाषा पूछें।
- ❖ उन्हें संज्ञा के भेद समझाएँ।
- ❖ छात्रों से संज्ञा के भेदों व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक के उदाहरण बताने को कहें।
- ❖ सभी छात्रों को अभिव्यक्ति का अवसर दें।
- ❖ समझाएँ, विशेष व्यक्ति, वस्तु आदि का नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा। किसी प्राणी, वस्तु की संपूर्ण जाति का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा तथा मन के भावों, महसूस किए जाने वाले भावों एवं दशा-अवस्था के नाम भाववाचक संज्ञा होते हैं। पाठ पृष्ठ 20-21 पर दिए उदाहरणों को पढ़वाकर समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, समूहवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा के ही उपभेद हैं। इन्हें विस्तार से समझाएँ।
- ❖ भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना कैसे होती है विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें। पाठ पृष्ठ 22-23 पर दिए शब्दों द्वारा समझाते हुए शब्द पढ़वाएँ।
- ❖ पूछें, क्या वे संज्ञा भली-भाँति समझ पा रहे हैं।
- ❖ व्यक्तिवाचक का जातिवाचक तथा जातिवाचक का व्यक्तिवाचक में कब और क्यों प्रयोग किया जाता है, विस्तार से समझाएँ।